''टोंक जिले की जनसंख्या का भौगोलिक अध्ययन''

*डॉ. सुनंदा भण्डारी

प्रस्तावना

जनसंख्या भूगोल, मानव भूगोल की एक महत्त्वपूर्ण शाखा है इसमें सम्पूर्ण विश्व या स्थान विशेष में निवास करने वाले व्यक्तियों की संख्या, जनसंख्या वृद्धि, घनत्व, स्थानिक वितरण, विशेषताओं तथा समस्याओं का अध्ययन भौतिक व सांस्कृतिक वातावरण के संदर्भ में किया जाता है। प्रस्तुत शोध कार्य जनसंख्या भूगोल के अन्तर्गत आता है।

इसमें राजस्थान राज्य के उत्तर–पूर्व में अवस्थित टोंक जिले की जनसंख्या के वितरण, घनत्व व वृद्धि प्रतिरूप का भौगोलिक अध्यन किया गया है। इस शोध कार्य में, जनसंख्या भूगोल के क्रमबद्धख प्रादेशिक तथा व्यावहारिक तीनों का सम्मिलित उपयोग किया गया है।

वर्तमान अध्ययन की आवश्यकता

विगत वर्षो मे जहाँ सम्पूर्ण भारत की जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है वहीं जनसख्या से सम्बन्धित विभिन्न समस्याओं ने भी जन्म ले लिया है। राजस्थान राज्य भी इस समस्या से अछूता नहीं रहा है। अतः जनसंख्या सम्बन्धित अध्ययन वर्तमान समय की तथा भविष्य में आने वाली समस्याओं के सामाधान में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

1.2 परिकल्पनाएँ

यह शोध कार्य निम्नलिखित परिकल्पनाओं पर आधारित है।

1. जिले में जनसंख्या बढ़ती जा रही है परन्तु जनसंख्या वृद्धि दर घट रही है।
2. ग्रामीण क्षेत्र में जनसंख्या के वितरण व घनत्व पर जहाँ भौतिक कारकों का प्रभाव पड़ा है वहीं नगरीय जनसंख्या के वितरण व घनत्व पर सांस्कृतिक व औधोगिक कारकों ने अहम् भूमिका निभाई है।
3. जिले में जनसंख्या के वितरण, घनत्व तथा वृद्धि दर से अत्यधिक स्थानिक कालिक विभिन्नता देखने को मिलती है।
4. जिले में ग्रामीण जनसंख्या की बहुलता है।

1.4 शोध उद्देश्य

इस शोध कार्य का प्रमुख उद्देश्य टोंक जिले में जनसंख्या वितरण, घनत्व तथा वृद्धि प्रतिरूप की भौगोलिक अध्ययन व विश्लेषण करना है। जिनका वर्णन निम्न प्रकार है।

1. जनसंख्या वितरण प्रतिरूप

जिले में जनसंख्या का स्थानिक वितरण, प्रभावी कारक, ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या का वितरण, अनुसूचित व अनुसूचित जनजाति जनसंख्या का वितरण तथा वितरण प्रतिरूप का अध्ययन करना है।

2. जनसंख्या घनत्व प्रतिरूप

जिले में नगरीय व ग्रामीण जनसंख्या घनत्व, गणितीय, कार्यिक घनत्व का स्थानिक वितरण, अध्यधिक, मध्यम व निम्न घनत्व के क्षेत्र, स्थानिक लब्धि का आकलन करना है।

3. जनसंख्या वृद्धि प्रतिरूप

जिले में 1991 से 2011 तक जनसंख्या वृद्धि का विश्लेषण, जनसंख्या वृद्धि के कारक, जनसंख्या वृद्धि में नगरीय ग्रामीण विभिन्नता प्रतिरूप का अध्ययन करना है।

1.5 अनुसंधान विधितंत्र

प्राथमिक आंकड़ों तथा द्वितीयक आंकड़ों के द्वारा विषय सम्बन्धित आंकड़ों का संकलन किया गया है।

1. **प्राथमिक आंकड़े** – प्राथमिक आंकड़ों को field survey, अवलोकन, साक्षात्कार तथा प्रश्नावली अनुसूची के माध्यम से एकत्रित किया गया है।

   सर्वप्रथम सौद्देश्य प्रतिचयन विधि द्वारा टोंक जिले के निम्नलिखित 30 गांवों का field survey हेतु चयनित किया गया।

   तालिका (1.1) मानचित्र (1.1)

   प्रत्येक गांव से प्रश्नावली के माध्यम से परिवार सम्बन्धी आंकड़े संग्राहित किये गये (परिशिष्ट–1)

2. **द्वितीयक आंकड़े** – भारत तथा राजस्थान सरकार के विभिन्न प्रकाशनों जैसे–जिला सांख्यिकी, रूपरेखा–टोंक (2011) राजस्थान

गजेटियर, राजस्थान की जनसंख्या जनगणना–2011, District Census Handbook-2011, आदि से महत्वपूर्ण सूचनाएँ एकत्रित की गई।

इनके अलावा विभिन्न समंकों और सूचनाओं को जनगणना विभाग, जयपुर राज्य ग्रामीण विकास विभाग, जयपुर, मौसम विभाग जयपुर, भारतीय भूगर्भिक सर्वेक्षण विभाग, जयपुर, पंचायत समिति, टोंक–जिला कृषि अनुसंधान केन्द्र, दुर्गापुरा (जयपुर), सूचना विभाग, जयपुर, केन्द्रीय पुस्तकालय, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, आर्थिक–सांख्यिकीय निदेशालय जयपुर से एकत्रित किये हैं।

समंकों का सारणीयन एवं विश्लेषण कर कार्टोग्राफिक सांख्यिकीय तथा कम्प्यूटर विधियों का प्रयोग करके विभिन्न मानचित्रों, आरेखों, सूत्रों द्वारा जिले में जनसंख्या वितरण, घनत्व व वृद्धि का विश्लेषण व मूल्यांकन किया है।

1.6 अध्ययन की इकाई

शोध में अध्ययन की इकाई जिला, पंचायत समिति/तहसील, नगर तथा सर्वेक्षित गांव है।

क्र. सं.	पंचायत समिति/जिला	संख्या	फील्ड सर्वे हेतु चयनित गांव
1.	मालपुरा	03	दशमी, लारी बीड़
2.	टोंक	02	मियाँरामपुरा, सांडीला
3.	निवाई	06	अजीतपुरा, अगरपुरा, गोपालपुरा, रामपुरा, सीडरा, राधाकिशनपुरा
4.	टोडारायसिंह	03	रतवाड़ा, मोरडा, रामेश्वरपुरा
5.	देवली	06	धंधौली, गाँधी ग्राम, रावता, ज्योतिपुरा, कँवरपुरा, राजकोट
6.	उनियारा	06	मनोहरपुरा, गोपालपुरा, मोतीपुरा, नाहरी, विशनपुरा, रानीपुरा
7.	पीपलू	04	धौधरिया, अहमदगंज, बीजलपुरा, इस्माईलपुरा
8.	टोंक जिला	30	—

भौगालिक पृष्ठभूमि

राजस्थान की राजधानी जयपुर से दक्षिण की ओर 100 किलोमीटर की दूरी पर टोंक जिला राजस्थान के उत्तरी पूर्वी भाग में स्थित है। बनास नदी इसको दो भागों में विभक्त करती है।

2.1 अवस्थिति

टोंक जिला 25°41' उत्तर से 26°34' उत्तरी अक्षांश तथा 75°7' पूर्व से 76°19' पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। टोंक जिले की सीमा उत्तर में जयपुर दक्षिण में बूंदी तथा भीलवाड़ा, पश्चिम में अजमेर और पूर्व में सवाईमाधोंपुर जिले से मिलती है। जिले का भौगोलिक धरातल लगभग समतल है तथा आकार पतंगाकार है। यह जिला समुद्रतल से 264.32 मीटर ऊँचा है।

टोंक जिले की अवस्थिति
मानचित्र

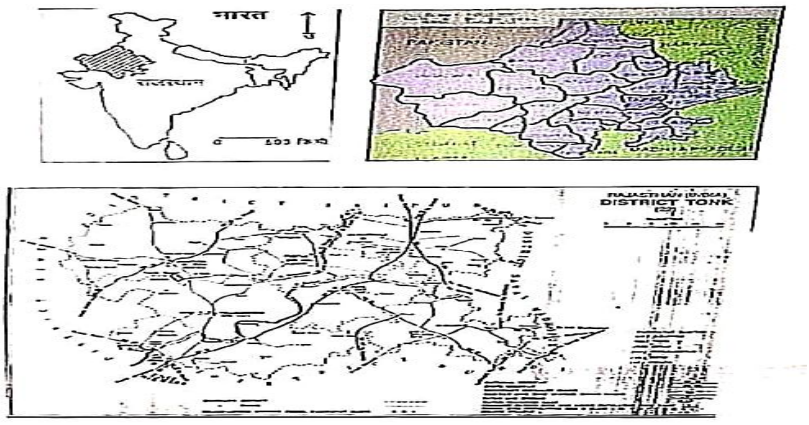

प्रशासनिक विभाजन

टोंक जिले में सात तहसील–मालपुर, पीपलू, निवाई, टोंक, टोडारायसिंह, देवली और उनियारा है तथा छह पंचायत समिति–मालपुरा, निवाई, टोंक, टोडारायसिंह, देवली और उनियारा है एवं 231 ग्राम पंचायत है।

टोंक जिला राजस्थान के पिछड़े जिलों में आता है। राज्य की राजधानी जयपुर के दक्षिण में 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित होने के बावजूद जिले का पर्याप्त विकास नहीं हुआ है जिसके लिये परिवहन के प्रमुख साधन रेल–मार्ग (मुम्बई–दिल्ली) का केवल निवाई से जुड़ा होना है तथा औद्योगिक विकास की दृष्टि से जिले में खनिज संसाधन नगण्य मात्रा में (केवल पत्थर उद्योग) है परिणाम स्वरूप जिले की अधिकाश जनसंख्या ग्रामीण 77.6 प्रतिशत है।

जिले का कुल क्षेत्रफल 7194 वर्ग किलोमीटर है जिसमें ग्रामीण क्षेत्रफल 69723.48 वर्ग किलोमीटर है जिसमें जिले की 77.6 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या रहती है 2011 की जनगणना के अनुसार कुल गांवों की संख्या 1198 है जिनमें 1116 ग्राम आबाद हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग–12 जिले के मध्य से गुजरता है जो जिले को राजधानी जयपुर तथा औद्योगिक नगर कोटा से जोड़ता है।

जिले का भौतिक धरातल समान नहीं है भू उच्चावच समुद्रतल 150 मीटर से 600 मीटर की ऊँचाई तक पाए जाते है बनास नदीं इसमें लगभग मध्य से गुजरती हुई दक्षिण पश्चिम से पूर्व की ओर प्रवाहित होती हुई चम्बल में मिल जाती है बनास नदी पर बीसलपुर बाँध जिले की जलापूर्ति में प्रमुख भूमिका रखता है।

टोंक जिला अपनी विशिष्ट जनांकिकीय विशिष्टताओं जैसे ग्रामीण जनसंख्या (77.6 प्रतिशत), लिंगानुपात की उच्चता (952), 0–6 वर्ष की आयु के लिंगानुपात की उच्चता, कुल कार्यशील तथा मुख्य कार्यशील जनसंख्या का राज्य के औसत से अधिक (45.7) प्रतिशत तथा 76.4 प्रतिशत) होना, वही नगरीय जनसंख्या घनत्व (1434) साक्षरता (61.6 प्रतिशत) दशकीय वृद्धि दर (17.33 प्रतिशत), का राज्य के औसत से कम होने के कारण विशिष्ट पहचान रखता है।

जनसंख्या वितरण की दृष्टि से बनास, सहोदरा, माशी–बांडी, दील के खादर क्षेत्र में जनसंख्या का केन्द्रण अधिक हैं वहीं मालपुरा का पश्चिमी भाग देवली का पूर्वी भाग, उनियारा का दक्षिणी–पूर्वी भाग, टोडारायसिंह का पश्चिमी भाग में जनसंख्या का संकेन्द्रण कम है। इन क्षेत्र का भांगर प्रदेश में होने, परिवहन की सुविधा पर्याप्त न होने, खनिज संसाधन का अभाव होना, तथा उच्चावच की दृष्टि से ऊँचे भाग में होने के कारण जनसंख्या का केन्द्रण कम देखने को मिलता है।

कुल कार्यशील जनसंख्या में सबसे अधिक अगरपुरा 93.9 प्रतिशत में है। राधाकिशनपुरा तथा इस्माईलपुरा में सीमान्त कार्यशील जनसंख्या का अभाव है।

स्थानिक लब्धि मान के आधार पर (तालिका 4.3) से स्पष्ट होता है कि पीपलू, निवाई, देवली, टोडारायसिंह, मालपुरा, का अनुसूचित जाति का स्थानिक लब्धि (LQ) मान औसत से ज्यादा है इसलिए इन तहसीलों में अनुसूचित जाति का केन्द्रण अधिक है वहीं अनुसूचित जनजाति का स्थानिक लब्धि मान उनियारा, देवली और निवाई में औसत से अधिक है इसलिए अनुसूचित जनजाति का केन्द्रण अधिक है।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का तहसील अनुसार
जनसंख्या प्रतिशत 2011

क्र. सं.	तहसील	कुल जनसख्या	कुल अनुसूचित जाति	कुल अनुसूचित जनजाति	कुल जनसख्या में SC का %	कुल जनसख्या में ST का %	स्थानिक लब्धि (LQ)		स्थानिक लब्धि (LQ)	
							SC	कोटि	SC	कोटि
1.	मालपुरा	240909	48375	8656	20.08	3.59	1.01	5	0.28	7
2.	निवाई	245787	52442	39816	21.33	16.19	1.06	2	1.29	3
3.	टोंक	286808	54068	17694	18.85	6.16	0.94	6	0.49	6
4.	टोड़ारयसिंह	146870	30382	10731	20.68	7.30	1.03	4	0.58	5
5.	देवली	214408	45292	43738	21.12	20.39	1.05	3	1.63	2
6.	उनियारा	168900	30106	46448	17.82	27.50	0.89	7	2.20	1
7.	पीपलू	117644	27238	11124	23.15	9.45	1.15	1	0.75	4
	कुल जिला	**1421326**	**287903**	**178207**	**20.25**	**12.53**				

जनसंख्या वृद्धि की दृष्टि से जिले में 1911 से 2011 के दशक में लगातार वृद्धि होती रही है जो 1911 में 7.67 प्रतिशत दर से बढ़कर 2011 में 17.33 प्रतिशत हो गई है परिणामस्वरूप भूमि पर जन दबाव बढ़ा है।

क्षेत्रफल एवं जनसंख्या के आधार पर मालपुरा पंचायत समिति ग्रामीण क्षेत्रफल में और जनसंख्या में प्रथम स्थान पर है वहीं पीपलू पंचायत समिति ग्रामीण क्षेत्रफल तथा जनसंख्या में अंतिम स्थान पर है।

नगरीय क्षेत्रफल और जनसंख्या की दृष्टि से टोंक प्रथम स्थान पर है तथा नगरीय क्षेत्रफल में देवली सबसे निम्न तथा जनसंख्या में उनियारा सबसे निम्न स्थान पर है।

अनुसूचित जाति–जनजाति में क्रमशः पीपलू तथा उनियारा प्रथम स्थान पर है तथा उनियारा और मालपुरा क्रमशः निम्न स्थान पर है नगरीय शिक्षित जनसंख्या में टोंक प्रथम स्थान पर है ग्रामीण में निम्न स्थान पर है। पीपलू में नगरीय जनसंख्या का अभाव है क्योंकि यहाँ की 100 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण है तथा किसी भी प्रकार का औद्योगिक कार्य नहीं होता है।

सर्वेक्षित कुल 30 गांवों की जनसंख्या की दृष्टि से सीडरा प्रथम स्थान (3487) पर है वहीं मोतीपुरा (157) सबसे निम्न स्थान पर है। लिंगानुपात की दृष्टि से बीड, मियारामपुरा, रतनाडा, गांधीग्राम, कंवरपुरा, धौधरिया, अग्रणी है।

वर्ष 2001–2011 के दशक में जिले की पंचायत समिति में ग्रामीण जनवृद्धि निवाई, टोंक, पीपलू, तथा मालपुरा में औसत से अधिक हुई तथा नगरीय जनवृद्धि में उनियारा तहसील सबसे आगे (86.23 प्रतिशत) है तथा देवली सबसे कम (10.18 प्रतिशत) हुई हैं। शिक्षा के प्रति जागरूकता के कारण ग्रामीण क्षेत्र में छोटा परिवार रखने की पहल दिखी वहीं नगरीय क्षेत्र में लडके के जन्म को प्रमुखता देना है।

जनसंख्या वृद्धि का स्थानिक विश्लेषण
(2001–2011)

क्र. सं.	पंचायत समिति / नगर / जिला	दशकीय वृद्धि				
		2001–2011		जनसंख्या 2001	जनसंख्या 2011	अन्तर
		(%)	कोटि			
ग्रामीण						
1.	मालपुरा	15.79	4	176932	204881	27949
2.	पीपलू	16.18	3	101259	117644	16385
3.	टोंक	17.85	2	103103	121514	18411
4.	निवाई	18.08	1	165298	195187	29889
5.	टोडरायसिंह	11.96	7	110131	123311	13180
6.	देवली	13.63	5	169271	192343	23072
7.	उनियारा	12.23	6	132509	148723	16214
	कुल ग्रामीण	**15.13**		**958503**	**1103603**	**145100**
नागरीय						
1.	मालपुरा	31.68	3	27360	36028	8668
2.	टोंक	21.81	4	135689	165294	29605
3.	निवाई	33.01	2	38042	50600	12558
4.	टोडरायसिंह	11.03	5	21217	23559	2342
5.	देवली	10.18	6	20026	22065	2039
6.	उनियारा	86.23	1	10834	20177	9343
	कुल नगरीय	**25.49**		**253168**	**317723**	**64555**
	टोंक जिला (ग्रामीण+नगरीय)	17.30				

सर्वेक्षित गांवों में जनसंख्या तथा परिवारों की संख्या का विवरण 2011

क्र. सं.	गांव का नाम	कुल जनसंख्या				अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		परिवारों की संख्या	कुल कार्यशील जनसंख्या	मुख्य कार्यशील जनसंख्या	सीमान्त कार्यशील जनसंख्या
		संख्या	कोटि	पुरूष	स्त्री	संख्या	%	संख्या	%				
1.	दशमी	1046	5	523	523	568	54.30	11	1.05	173	513	194	319
2.	लारी	371	21	201	170	348	93.80	—	—	68	199	12	187
3.	दीड़	567	14	278	289	567	100	—	—	136	343	326	17
4.	मियारामपुरा	224	28	110	114	158	70.53	—	—	37	101	81	20
5.	सण्ड़ीला	375	19	196	179	375	100	—	—	71	154	136	18
6.	अजीतपुरा	663	9	353	310	434	65.46	—	—	119	430	421	9
7.	अगरपुरा	348	24	195	153	286	82.18	—	—	73	327	319	8
8.	गेपालपुरा (निवाई)	458	17	235	223	—	—	—	—	62	211	190	21
9.	रामपुरा	236	26	126	110	218	92.37	18	7.62	47	93	91	2
10.	सीदरा	3487	1	1842	1645	66	1.89	3144	90.16	604	1634	1142	492
11.	राधाकिशनपुरा	321	25	164	157	12	3.73	309	96.26	62	87	87	—
12.	रतवाड़ा	504	16	246	258	293	58.13	—	—	93	287	23	264
13.	मोरड़ा	1057	4	555	502	816	77.19	—	—	230	556	554	2
14.	रामेश्वरपुरा	225	27	122	103	146	64.43	—	—	38	128	127	1
15.	धांधोली	723	7	366	357	690	95.43	3	0.41	139	414	71	343
16.	गांधीग्राम	1010	6	501	509	1010	100	—	—	204	653	393	260
17.	रावता	652	10	340	312	—	—	640	98.15	152	381	162	219
18.	ज्योतिपुरा	681	8	350	331	5	0.88	660	96.91	150	331	132	199
19.	कंवरपुरा	364	23	181	183	13	3.57	269	73.90	76	180	167	13
20.	राजकोट	1860	2	1010	851	155	8.32	1597	85.81	483	974	747	227
21.	मनोहरपरा	372	20	197	175	370	99.46	—	—	66	194	187	7
22.	गोपालपुरा (उनियारा)	173	29	93	80	167	96.53	—	—	36	68	56	12
23.	मोतीपुरा	157	30	83	74	157	100	—	—	37	83	36	47
24.	नाहरी	564	15	295	269	35	6.20	433	76.77	119	309	257	52
25.	बिशमपुरा	603	11	325	278	27	4.47	565	93.69	104	320	319	1
26.	शनीपुरा	1097	3	564	533	29	2.64	1046	95.35	216	515	296	219
27.	धांधरिया	601	12	279	322	307	51.08	43	7.15	100	273	267	6
28.	अहमदगंज	589	13	302	287	323	54.83	264	44.82	78	276	199	77
29.	बीजलपुरा	406	18	210	196	291	71.67	—	—	90	233	224	9
30.	इस्माईलपुरा	369	22	185	184	159	43.08	178	48.23	66	178	178	—

टोंक जिले की जनसंख्या की दशकीय वृद्धि (1911 से 2011)

वर्ष	जनसंख्या			दशकीय वृद्धि अन्तर	प्रतिशत
	कुल	पुरूष	महिला		
1911	246428	145125	131303	15627	5.99
1921	255216	1335519	121697	21212	7.67
1931	297275	155210	142065	42059	16.48
1941	329790	173309	156481	32515	10.94
1951	406921	211336	195585	77131	23.39
1961	497729	260589	237140	90808	22.32
1971	625830	327806	298024	128101	25.74
1981	783635	406530	377105	157805	25.22
1991	975006	506928	468078	191371	24.42
2001	1211671	626436	585235	236665	24.27
2011	1421326	728136	693190	209655	17.30

सर्वेक्षित गांवों में ऋणात्मक जन वृद्धि (2001–2011) अगरपुरा, रावता, ज्योतिपुरा, गोपालपुरा (उनियारा) तथा इस्माईलपुरा में हैं क्योंकि युवा वर्ग रोजगार के लिए शहरों की ओर गमन कर रहा है तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता के कारण छोटा परिवार के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ी है।

पिछले दशकों में जनवृद्धि होने से जनसंख्या का भूमि पर दबाव बढ़ा है जिसके कारण नगरीय और ग्रामीण जनसंख्या घनत्व बढ़ गया है।

जिले का औसत घनत्व 198 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है जो राज्य के औसत घनत्व से कम है तथा नगरीय घनत्व (1434) है जो राज्य के नगरीय घनत्व से (3139) काफी कम है क्योंकि टोंक की 77.68 प्रतिशत जनसंख्या गांवों में रहती है।

तहसील अनुसार 2011 का घनत्व की दृष्टि से निवाई, पीपलू, टोंक, का घनत्व औसत ग्रामीण घनत्व (158) से अधिक है तथा टोडारायसिंह का सबसे कम (132) है। परिवहन साधन की पर्याप्त सुविधा न होना तथा भांगर क्षेत्र में होने के कारण पर्याप्त जलापूर्ति न होने के कारण जन बसाव का केन्द्रण कम है।

नगरीय गणितीय घनत्व (2011) में सबसे अधिक देवली (5884) में है जो कि औसत नगरीय घनत्व से (1434) बहुत अधिक है। सड़क परिवहन मार्ग के केन्द्र पर होने, उपजाऊ जलोढ़ मृदा, बनास का खादर क्षेत्र तथा बीसलपुर बांध से सिंचाई के जलापूर्ति होने के कारण जन दबाव अधिक है। वहीं नगरीय घनत्व में भी टोडारायसिंह सबसे निम्न स्थान पर है।

सर्वेक्षित गांवों के घनत्व की दृष्टि से ज्योतिपुरा में (532) औसत ग्रामीण घनत्व से अधिक घनत्व है तथा रावता में सबसे कम (42) है।

सर्वेक्षित गांवों को गणितीय घनत्व के आधार पर वर्गीकृत कर अति निम्न, मध्यम, उच्च, अति उच्च में विभाजित कर घनत्व का तुलनात्मक विश्लेषण किया है जिनमें 15 गांव औसत घनत्व (145) से अधिक घनत्व रखते है।

नगरीय गणितीय घनत्व : टोंक 2011

क्रं.सं.	नगरीय	धनत्व	कोटि
1.	गालपुरा	770	5
2.	टोंक	2723	3
3.	निवाई	967	4
4.	टोड़ारायसिंह	435	6
5.	देवली	5884	1
6.	उनियारा	5044	2
जिला नगरीय		**1434**	–

ग्रामीण व नगरीय गणितीय घनत्व : (टोंक 2011)

विवरण	क्षेत्रफल (वर्ग कि. मी.)	जनसंख्या	घनत्व
ग्रामीण	6972.48	1103603	158
नगरीय	221.52	317732	1434
जिला (ग्रामीण+नगरीय)	**7194**	**1421326**	**198**

तहसील अनुसार गणितीय घनत्व टेांक 2011

क्रं.स.	तहसील (ग्रामीण)	घनत्व	कोटि
1.	मालपुरा	143	6
2.	पीपलू	173	2
3.	टोंक	168	3
4.	निवाई	200	1
5.	टोड़ारायसिंह	132	7
6.	देवली	157	4
7.	उनियारा	151	5
	जिला ग्रामीण	**158**	–

गणितीय घनत्व के आधार पर सर्वेक्षित गांवों का वर्गीकरण

घनत्व प्रति वर्ग किमी	सर्वेक्षित गांव		
	संख्या	%	नाम
100 से कम अति निम्न	8	26.67	गोपालपुरा (उनियारा), रतवाड़ा, लारी, नाहरी, मनोहरपुरा, सण्डीला, रामेश्वरपुरा, रावता
100–200 निम्न	17	56.68	मोतीपुरा, अजीतपुरा, अगरपुरा, गोपालपुरा (निवाई), धंधोली, कंवरपुरा, इस्माईलपुरा, मियारामपुरा, राधाकिशनपुरा, रामपुरा, धोधरिया, अहमदगंज, राजकोट, बीड़, दशमी, मोरड़ा, बीजलपुरा
200–300 मध्यम	02	6.66	गांधीग्राम, बिशनपुरा
300–400 उच्च	01	3.33	रानीपुरा
400 से अधिक अति उच्च	02	6.66	ज्योतिपुरा, सीदड़ा
योग	**30**	**100**	
औसत से अधिक (> = 145)	15		ज्योतिपुरा, सीदड़ा, रानीपुरा, गांधीग्राम, बिशनपुरा, मोतीपुरा, अजीतपुरा, अगरपुरा, गोपालपुरा (निवाई), धांधोली, कंवरपुरा, इस्माईलपुरा, मियारामपुरा, राधाकिशनपुरा, रामपुरा

ग्रामीण तथा नगरीय जनसंख्या की स्थानिक लब्धि (2011)

तहसील / जिला	जनसंख्या			कुल जनसंख्या में ग्रामीण जनसंख्या का %	कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का %	स्थानिक लब्धि			
	कुल	ग्रामीण	नगरीय			ग्रामीण		नगरीय	
						मान	कोटि	मान	कोटि
मालपुरा	240909	204881	36028	85.04	14.69	1.10	4	0.63	4
निवाई	245787	195187	50500	79.41	20.59	1.03	6	0.93	2
टोंक	286808	121514	165294	42.36	57.64	0.55	7	2.61	1
टोड़ारायसिंह	146870	123311	23559	83.95	16.05	1.09	5	0.72	3
देवली	214408	192343	22065	89.70	10.30	1.16	2	0.46	6
उनियारा	168900	148723	20177	88.05	11.95	1.14	3	0.54	5
पीपलु	117644	117644	–	100	–	1.29	1	–	7
कुल	1421326	1103603	317723	77.64	22.36				

कार्यिक घनत्वं के आधार पर सर्वेक्षित गांवों का वर्गीकरण

घनत्व प्रति वर्ग कि. मी.	सर्वेक्षित गांव		नाम
	संख्या	%	
100 से कम निम्न	06	20	लरी, सण्ड़ीला, रामेश्वरपुरा, रावता, मनोहरपुरा, नाहरी
100 से 200 मध्यम	15	50	दशमी, बीड़, भियारामपुरा, रामपुरा, राधाकिशनपुरा, रतवाड़ा, मोरड़ा, धांधोंजी, कंवरपुरा, राजकोट, गोपालपुरा (उनियारा), धोधरिया, अहमदगंज, बीजलपुरा, इस्माईलपुरा
200 से 300 उच्च	06	20	अजीतपुरा, अगरपुरा, गोपालपुरा (निवाई), गांधीग्राम, मोतीपुरा, बिशनपुरा
300 से अधिक अति उच्च	03	10	सीदड़ा, ज्योतिपुरा, रानीपुरा
योग	**30**	**100**	
औसत से (अधिक > = 168)	16		सीदड़ा, ज्योतिपुरा, रानीपुरा, अजीतपुरा, अगरपुरा, गोपालपुरा (निवाई), गांधीग्राम, मोतीपुरा, बिशनपुरा, मियारामपुरा, रामपुरा, राधाकिशनपुरा, धांधोली, कंवरपुरा, अहमदगंज, इस्माईलपुरा

कार्यिक घनत्व के आधार पर सर्वेक्षित गांवों को निम्न, मध्यम, उच्च और अति उच्च वर्ग में रखा है। सर्वेक्षित 16 गांव औसत कार्यिक घनत्व (168) से अधिक घनत्व में आते हैं वहीं 06 गांव निम्न घनत्व (100 से कम) के अन्तर्गत आते है।

गणितीय घनत्व और कार्यिक घनत्व में ज्योतिपुरा और सीदड़ा अति उच्च वर्ग में हैं वहीं रानीपुरा कार्यिक घनत्व में अति उच्च घनत्व में तथा गणितीय घनत्व में उच्च वर्ग में है। चूंकि यहाँ ग्रामीण जनसंख्या अधिक है। इसलिए कृषि कार्य में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत अन्य गांव से ज्यादा है।

जिले की जनसंख्या वृद्धि से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण जन वृद्धि की अपेक्षा नगरीय जनवृद्धि का प्रतिशत अधिक तेजी से बढ़ रहा हैं क्योंकि रोजगार हेतु ग्रामीण लोग नगर की ओर स्थानान्तरण कर रहे है।

***वरिष्ठ व्याख्याता**
भूगोल विभाग
राजकीय महाविद्यालय टोंक (राज.)

Bibliography

1. Chandana, R.C. (1986) A Geography of population : Concepts, Determinants & Patterns, Kalyani Publishers, New Delhi.

2. Chandana R.C. (2012) Jansankhya Bhogol (Hindi), Kalyani Publishers, New Delhi.

3. Cassan, Rebort al (1994) Population and development : Old debates New Conclusions, Transaction Publishers, Oxford.

4. District Census Handbook (2001 & 2011).

5. Gosal, G.S. (1984) "Population Geography of India" in Geography and Population, Approaches and Application by John I Clarke (ed) Pergamand press Oxfor PP 203-214.

6. Lal W (1986) Jansankhya Bhogol (Hindi), Vasundhra Prakashan, Gorakhpur.

7. नाटाणी, पी,एन. (2008), जनसंख्या अध्ययन, बुक एनक्लेव, जयपुर।

8. Surjdev Basant (2010) जनसंख्या भूगोज, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली

9. Trewartha, G.T. (1969) A Geography of Populaion: World Patterns, John Wiley and Sons, InC, New Yorl.